हिन्दुस्तान
लखनऊ LIVE
सोमवार , 11 दिसम्बर 2017
www.livehindustan.com

युवा

गांधी भवन में महात्मा गांधी इंटर कॉलेज का वार्षिक समारोह आयोजित किया गया

सिटी

सेंटा ने 12वें माले से टॉफी-चॉकलेट की बारिश कर जीता बच्चों का दिल

स्पोर्ट्स

ला मार्टिनियर कप फुटबाल प्रतियोगिता में सेक्रेड हार्ट ने अंतिम चार में जगह बनाई

अमेरिकी बच्चे पढ़ रहे प्रो. भरत की किताब

हिन्दुस्तान एक्सक्लूसिव

लखनऊ। **रामेन्द्र प्रताप सिंह**

लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक व पर्यावरणविद प्रो. भरत राज सिंह ने पर्यावरण परिवर्तन के प्रभाव पर इतनी सटीक जानकारी दी है कि अमेरिका ने उनकी पुस्तक का एक अध्याय 'द मेल्टिंग ऑफ ग्लेशियर कैन नॉट बी रिवर्सड विद् ग्लोबल वार्मिंग' स्कूली बच्चों के पाठ्यक्रम में शामिल कर लिया है। जर्मनी, फ्रांस, कनाडा में भी बच्चों को भी यह पुस्तक अलग से पढ़ाई जा रही है। इस पुस्तक में विनाशकारी तूफानों का भी जिक्र है।

लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड में : प्रो. सिंह की लिखी पुस्तक 'ग्लोबल वार्मिंग-केसेज, इम्पैक्ट एण्ड रेमेडीज' न्यूयॉर्क शहर में वर्ष 2014 में विमोचित की गई थी। इस पुस्तक को लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड-2015 में शामिल किया गयौ। अमेरिका में सैंडी नामक तूफान ने जमकर उत्पात मचाया। न्यूयार्क शहर का एक तिहाई हिस्सा समुद्र में समा गया। इसकी आशंका उन्होंने मई 2014 में प्रकाशित पुस्तक में व्यक्त कर दी थी।

स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइंसेज के महानिदेशक प्रो. सिंह का दावा है कि ग्लोबल वार्मिंग से उत्तरी ध्रुव पर जमी बर्फ तेजी से पिघल रही है। ग्लेशियर सिकुड़ रहे हैं। पिघलने की इस गति से 2040 तक उत्तरी ध्रुव पर नाम मात्र की बर्फ बचेगी। अप्रैल 2013 तक आंकड़ों के मुताबिक आर्कटिक क्षेत्र में बर्फीली चट्टानें दस लाख टन प्रतिवर्ष की दर से पिघल रही हैं। सदी के अंत तक समुद्र तल में 13 फुट तक की बढ़ोतरी की संभावना है।

प्रो. भरत राज सिंह

नए ग्लेशियर का होगा निर्माण

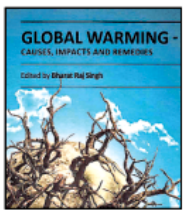

प्रो. सिंह ने पुस्तक में बताया है कि आने वाले समय में यूएसए, इंग्लैंड आदि देशों के कुछ प्रमुख तटीय शहर समुद्र में समा सकते हैं। इसके साथ ही उत्तरी-पश्चिमी सीमाओं पर बहुतायत में बर्फबारी होगी। नए ग्लेशियर का निर्माण होगा। उत्तरी ध्रुव के बड़े-बड़े ग्लेशियर पिघलेंगे। विशाल हिमखण्ड टूटकर अटलांटिक में बहते हुए प्रमुख तटीय शहरों से टकराएंगे। देश में भी समुद्री तटों पर भीषण बारिश व हिमालय से सटे प्रदेशों में बर्फबारी व भीषण ठंड का प्रकोप बढ़ गया है जबकि उत्तर प्रदेश व बिहार में सूखे पड़ने की संभावना बढ़ रही है। उनके इस शोध को अमेरिका, जर्मनी, कनाडा आदि देशों के शोधकर्ता विवेचना कर आगे बढ़ा रहे हैं।